CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

किसानों के लिए दो लाख गायें उपलब्ध कराई जाएंगी: तमिलनाडु के मंत्री नसर

डेयरी विकास मंत्री एस.एम. नसर ने 5 अप्रैल को राज्य में डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए किसानों को दो लाख गाय उपलब्ध कराने की योजना की घोषणा की।

विधानसभा में डेयरी विकास विभाग की अनुदान मांग पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नाबार्ड के एनएबी संरक्षण में मवेशियों के लिए गारंटी होगी, जिसे राष्ट्रीयकृत और सहकारी बैंकों से प्राप्त ऋण के माध्यम से खरीदा जाएगा। प्रजनन को बढ़ावा देकर भैंसों की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। वर्तमान में सहकारी समिति के अंतर्गत 16 लाख दुधारू पशु हैं, जिनमें से लगभग 10 लाख दूध देते हैं।

4.3% वसा और 8.2% ठोस गैर-वसा वाला दूध लाने वाले दूध देने वाले किसानों को ₹1 प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह दूध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दूध परीक्षण और स्पॉट पावती के माध्यम से किया जाएगा।

यूपी के दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नए डेयरी प्लांट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पशुपालन विभाग के कामकाज की समीक्षा की ताकि यूपी के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाया जा सके। राज्य सरकार निजी क्षेत्र के सहयोग से जनपद कानपुर, मुरादाबाद, गोरखपुर, आजमगढ़ व प्रयागराज में नए डेयरी प्लांट लगाने का कार्य कर रही है। सीएम ने प्रति पशु दूध की बेहतर उपज प्राप्त करने के लिए नस्ल सुधार कार्यक्रमों पर काम करने की आवश्यकता पर भी ध्यान केंद्रित किया।

बैठक के दौरान, सीएम ने सभी जिलों में अधिक दुग्ध समितियां बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, जहां उन्होंने कहा कि महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

ई-कॉमर्स पोर्टल परागडेयरी.कॉम दूध और दुग्ध उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। शहरी क्षेत्रों में पराग मित्र तथा ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ऑनलाइन दूध एवं दुग्ध उत्पाद बेचे जा रहे हैं।

अमूल का कारोबार 55,055 करोड़ रुपये के पार; 18.5% पर वार्षिक वृद्धि

गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड, जो दूध और डेयरी उत्पादों के लोकप्रिय अमूल ब्रांड का विपणन करता है, ने रुपये का अनंतिम कारोबार दर्ज किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 55,055 करोड़। GCMMF के टर्नओवर में 18.5% की वृद्धि हुई है, जो मुख्य रूप से ब्रांडेड उपभोक्ता उत्पादों की मांग के कारण है।

जीसीएमएमएफ के अध्यक्ष शामलभाई पटेल ने इस तथ्य पर जोर दिया कि तेजी से विस्तार के मंत्र ने स्पष्ट रूप से जीसीएमएमएफ के लिए समृद्ध लाभांश प्राप्त किया है। "अमूल उत्पादों के लिए बाजार की मांग में अनुमानित वृद्धि के आधार पर, GCMMF रुपये का बिक्री कारोबार हासिल करने की योजना बना रहा है। 2025 तक 1,00,000 करोड़ और अगले 7 वर्षों में 20% से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ आगे बढ़ें।

गुजरात के 18,600 गांवों में 36 लाख से अधिक किसान सदस्यों वाली जीसीएमएमएफ की 18 सदस्यीय यूनियनें प्रतिदिन औसतन 270 लाख लीटर दूध खरीद रही हैं।

स्थिर दूध उत्पादन: एक दशक के बाद डेयरी आयात की अनुमति दी जा सकती है

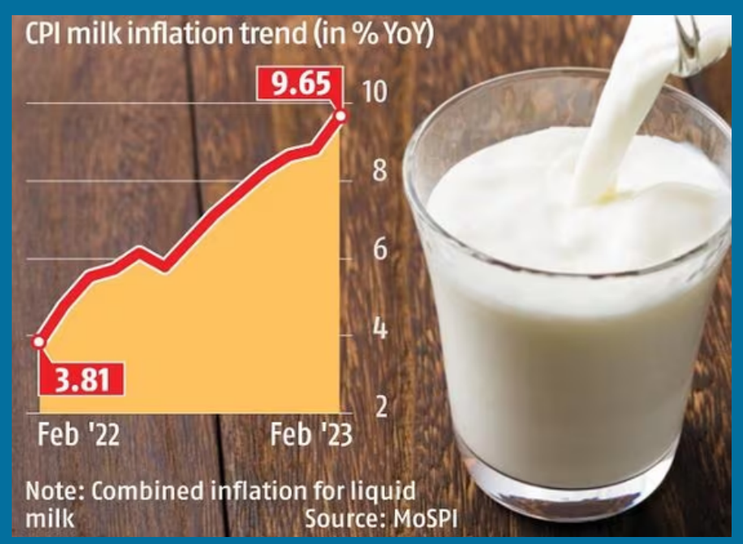

पशुपालन और डेयरी सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि एक दशक से अधिक समय के बाद, भारत जरूरत पड़ने पर डेयरी उत्पादों का आयात करने पर विचार कर सकता है, क्योंकि पिछले वित्तीय वर्ष में दूध उत्पादन स्थिर रहने के कारण ऐसी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी है।

भारत ने आखिरी बार 2011 में प्रमुख डेयरी उत्पादों का आयात किया था। भारत आमतौर पर उच्च मूल्य वाले दुग्ध उत्पादों जैसे कैसिइन या विशेष पनीर का आयात करता है, लेकिन बड़े पैमाने पर खपत वाली वस्तुओं जैसे मक्खन और घी या स्किम्ड मिल्क पाउडर का आयात नहीं करता है।

पीटीआई ने सिंह के हवाले से कहा, “दक्षिणी राज्यों में दूध के स्टॉक की स्थिति का आकलन करने के बाद, सरकार मक्खन और घी जैसे डेयरी उत्पादों के आयात में हस्तक्षेप करेगी, जहां अब फ्लशिंग (पीक उत्पादन) सीजन शुरू हो गया है।”

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश में दूध का उत्पादन 2021-22 में 221 मिलियन टन (mt) था, जो पिछले वर्ष के 208 मिलियन टन से 6.25 प्रतिशत अधिक था। भारत में दूध की कीमतें पिछले 15 महीनों में 12-15 फीसदी बढ़ी हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि बढ़ोतरी सितंबर-अक्टूबर 2023 से पहले नहीं रुकेगी। अंतिम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दूध में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति फरवरी 2022 में 3.81 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी 2023 में 9.65 प्रतिशत हो गई है।

सिंह ने कहा कि देश का दुग्ध उत्पादन 2022-23 में मवेशियों में गांठदार त्वचा रोग के कारण स्थिर रहा, जबकि इसी अवधि में घरेलू मांग में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, क्योंकि महामारी के बाद की मांग में फिर से उछाल आया।

“देश में दूध की आपूर्ति पर कोई बाधा नहीं है। स्किम्ड मिल्क पाउडर का पर्याप्त स्टॉक है। लेकिन डेयरी उत्पादों, विशेष रूप से वसा, मक्खन और घी के मामले में स्टॉक पिछले वर्ष की तुलना में कम है।"

सिंह के अनुसार, पिछले साल 189,000 मवेशियों की जान लेने वाले गांठदार त्वचा रोग के प्रभाव और दूध की मांग में महामारी के बाद की वापसी के कारण देश का दूध उत्पादन स्थिर रहा। “मवेशियों पर गांठदार त्वचा रोग का प्रभाव इस हद तक महसूस किया जा सकता है कि कुल दूध उत्पादन कुछ हद तक स्थिर है। आम तौर पर दुग्ध उत्पादन सालाना 6 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। हालांकि, इस साल यह या तो स्थिर रहेगा या 1-2 फीसदी की दर से बढ़ेगा।'

अमूल के पूर्व एमडी रिलायंस रिटेल में शामिल

अमूल के पूर्व प्रबंध निदेशक आरएस सोढ़ी, एक सलाहकार के रूप में रिलायंस रिटेल वेंचर्स में शामिल हो गए हैं, जहां वे अपने ताजा फल और सब्जियों के कारोबार के निर्माण के लिए जिम्मेदार होंगे।

सोढ़ी के कंपनी में शामिल होने से उम्मीद है कि रिलायंस रिटेल में इन सेगमेंट का अधिक से अधिक आकर्षण होगा। उनका प्रवेश ऐसे समय में हुआ है जब रिलायंस अपने उपभोक्ता व्यवसाय को बढ़ा रहा है: पिछले महीने, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल), एफएमसीजी शाखा और रिलायंस रिटेल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ने प्रतिष्ठित पेय ब्रांड, कैंपा के लॉन्च की घोषणा की।

कंपनी के एफएमसीजी पोर्टफोलियो में अब सोस्यो हजूरी के हेरिटेज ब्रांड, लोटस चॉकलेट्स की कन्फेक्शनरी रेंज, श्रीलंका के प्रमुख बिस्किट ब्रांड मालिबन के साथ-साथ अपने स्वयं के ब्रांड इंडिपेंडेंस और गुड लाइफ के तहत दैनिक आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं।

रिलायंस रिटेल में खुदरा कारोबार का नेतृत्व ईशा अंबानी करती हैं। इसने 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए 67,623 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व पोस्ट किया था, जिसमें पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। दूसरी ओर, कारोबार का शुद्ध लाभ 6 फीसदी बढ़कर 2,400 करोड़ रुपये हो गया।

पिछले एक साल में खुदरा दूध की कीमतें 15% बढ़ीं, जो एक दशक में सबसे ज्यादा हैं

विश्लेषकों ने कहा कि खुदरा दूध की कीमतें पिछले एक साल में 15% बढ़ी हैं, जो एक दशक में सबसे तेज गति है और इस गर्मी में और बढ़ सकती है। उच्च चारे की कीमतों, महामारी के कारण दुधारू पशुओं की कमी और दुनिया के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक में उत्पादकता में मंदी का हवाला देते हुए।

उपभोक्ता सर्वेक्षण फर्म लोकल सर्कल्स ने हालिया समीक्षा में कहा कि तीन में से एक परिवार ने बढ़ती कीमतों के कारण दूध की खपत और खर्च कम कर दिया है।

फरवरी में, अमूल ने दूध की कीमतों में ₹3 की वृद्धि की, जो एक वर्ष में पाँचवीं वृद्धि थी। ब्रांडेड दूध की कीमतें प्रतिस्पर्धी हैं और एक लीटर फुल क्रीम दूध अब राष्ट्रीय राजधानी में 66 रुपये में बिकता है, जबकि टोन्ड किस्म की कीमत 54 रुपये है। दूध में खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में 9.65% बढ़ी, जो पिछले महीने 8.79% थी, अनाज के बाद सबसे बड़ी वृद्धि।

31 मार्च को समाप्त वर्ष में, पिछले एक दशक में लगभग 6% की औसत वार्षिक वृद्धि की तुलना में दूध उत्पादन में 1% की वृद्धि होने का अनुमान है, GCMMF के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा। 2021-22 में 221 मिलियन टन के अनुमानित उत्पादन के साथ भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है।

यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक अनाज की कमी के कारण भारत से टूटे हुए चावल और गेहूं के अवशेषों का अधिक निर्यात हुआ, जिससे चारे की कमी हो गई। इससे मक्के की कीमतों में तेजी आई है। कुल मिलाकर, 2021 से चारे की कीमतें लगभग 21% बढ़ी हैं।

गांठदार त्वचा रोग, एक घातक विषाणु संक्रमण, ने पिछले साल महामारी का रूप धारण कर लिया था और अनुमान है कि आठ राज्यों में लगभग 185,000 गायों और भैंसों की मौत हुई थी।

“कीमतों में वृद्धि का मुख्य कारण चारे की कीमतों और मवेशियों में ही वृद्धि है। इंडियन डेयरी एसोसिएशन के अध्यक्ष और अमूल के पूर्व प्रबंध निदेशक, आरएस सोढ़ी ने कहा, गुजरात के अलावा, दुग्ध उत्पादकों ने डेयरी किसानों को उत्पादन लागत से कम भुगतान किया।

"महामारी फैलने के साथ, किसानों ने कम बछड़ों को पाला और प्रजनन के लिए झुंड का आकार सीमित कर दिया। राजस्थान जैसे राज्यों में प्रमुख मौसमी पशु बाजारों को बंद कर दिया गया क्योंकि महामारी को रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए गए थे, ”राजस्थान के एक प्रमुख दुग्ध उत्पादक सीकर में एक डेयरी विकास अधिकारी राजेश शर्मा ने कहा।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दूध की कमी को पूरा करने के लिए यूरोप से दूध पाउडर का आयात एक साल पहले की तुलना में 45.6 लाख डॉलर बढ़ गया है।

जीरो काउ फैक्ट्री, भारत का पहला पशु-मुक्त सटीक किण्वन डेयरी स्टार्टअप सीड फंडिंग में $4 मिलियन सुरक्षित करता है

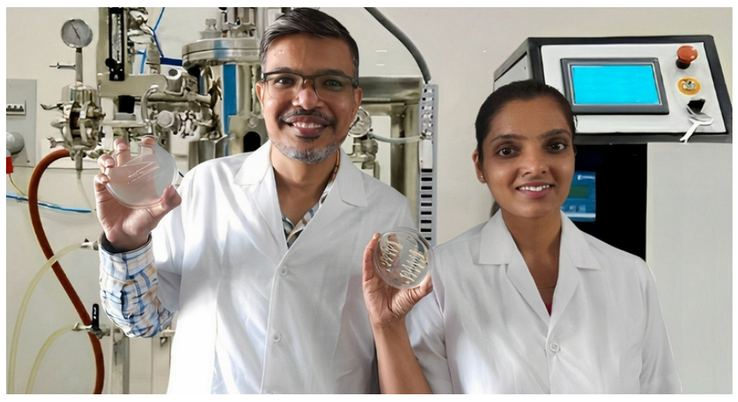

बायोइंजीनियरिंग माइक्रोब्स और सटीक किण्वन का उपयोग करके भारत की पहली पशु-मुक्त प्रोटीन और डेयरी उत्पाद बनाने वाली बायोटेक्नोलॉजी कंपनी ज़ीरो काउ फैक्ट्री ने आज घोषणा की कि उसने एक सीड राउंड में $4 मिलियन (INR 32 करोड़) जुटाए हैं।

राउंड का सह-नेतृत्व ग्रीन फ्रंटियर कैपिटल, जीवीएफएल और पीआई वेंचर्स द्वारा किया गया था, जिसमें पास्कुअल इनोवेंचर्स की भागीदारी थी, जो एक प्रमुख स्पेनिश डेयरी समूह कैलिडाड पास्कुअल की निवेश शाखा थी। इस फंडिंग से जीरो काउ फैक्ट्री अपने आरएंडडी प्रयासों में तेजी लाने, उत्पादन क्षमता को बढ़ाने और बाजार में हिट करने के लिए नियामक अनुमोदन प्राप्त करने में सक्षम होगी।

अगले पृष्ठ पर जारी रखें

दूसरे पेज से जारी

सूरत स्थित ज़ीरो काउ फैक्ट्री की स्थापना 2021 में सोहिल कपाड़िया और परिणी कपाड़िया द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य टिकाऊ पशु मुक्त दूध प्रोटीन और डेयरी उत्पादों का उत्पादन करके डेयरी उद्योग में क्रांति लाना था। उनका उत्पाद गाय के दूध प्रोटीन का एक नया विकल्प है जो इसके स्वाद, बनावट, पोषक प्रोफ़ाइल और उपस्थिति को दोहराता है। कंपनी ने बिना किसी जानवर को शामिल किए कैसिइन और मट्ठा जैसे डेयरी प्रोटीन का उत्पादन करने के लिए एक पेटेंट तकनीक विकसित की है।

जीरो काउ फैक्ट्री पशु-मुक्त कैसिइन उत्पादन पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है जो कि सबसे जटिल प्रोटीन है और वैश्विक स्तर पर किसी भी कंपनी द्वारा इसका व्यवसायीकरण नहीं किया गया है। कंपनी का पहला उत्पाद A2 बीटा-केसीन है जो स्वास्थ्यवर्धक भी है क्योंकि A1 दूध प्रोटीन जो अपच का कारण बनता है, उनके उत्पाद से अनुपस्थित है। इस प्रोटीन के लिए वैश्विक विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने वाली पहली कंपनी बनने का लक्ष्य है। इसका उपयोग विभिन्न स्थायी खाद्य और डेयरी उत्पादों जैसे पनीर, दही, आइसक्रीम, सप्लीमेंट पाउडर आदि को तैयार करने के लिए किया जाएगा, जिनका उपयोग खाद्य, डेयरी, सीपीजी, न्यूट्रास्यूटिकल और आहार पूरक जैसे विभिन्न उद्योगों में किया जाता है।

जहां तक यूटी में पशुधन की कुल आबादी का संबंध है, यह 6,59,708 थी जो 20वीं पशुधन गणना के समय घटकर 5,43,551 रह गई और वर्तमान जनगणना के अनुसार यह अब 5,21,963 तक पहुंच गई है।

सीईडीएसआई ने हेरिटेज फूड्स लिमिटेड के फील्ड कार्यकर्ताओं के लिए अपस्किलिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डेयरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) ने हेरिटेज फूड्स लिमिटेड के लिए एक अपस्किलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक की नौकरी की भूमिका में फील्ड अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना है। कार्यक्रम को दूध की गुणवत्ता परीक्षण, स्वच्छ दूध से निपटने और पशु स्वास्थ्य प्रबंधन सहित दूध खरीद से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हेरिटेज फूड्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ब्राह्मणी नारा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का दौरा किया। यह इनपुट प्रबंधन के पहलुओं को भी शामिल करता है जैसे कि फ़ीड प्रबंधन, चारा की खेती और पशु प्रजनन। कार्यक्रम में कुल 67 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हैदराबाद, तेलंगाना में किया गया था।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "भारत में डेयरी कौशल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।